



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	06.07.2020	--	--

CCSHAU to start 1-yr diploma in Agrochemicals and Fertilisers at three colleges

Posted: Jul 04, 2020 07:46 PM Updated: 1 day ago



Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar will soon introduce a one-year diploma in Agrochemicals and Fertilisers for the first time.

Giving information in this regard, an official spokesperson of the university said that a total of 30 seats had been earmarked for this one-year diploma at each execution centre i.e. College of Agriculture Hisar, College of Agriculture Kaul (Kaithal) and College of Agriculture Bawali (Rewari), out of which 20 per cent will be reserved for candidates belonging to Scheduled Caste, 27 per cent for Backward Caste and 10 per cent for Economically Weaker Sections.

He said that the eligibility criteria for the candidate is Class XII pass from any stream and the age should be between 18 and 55 years.

He said that the diploma is of two-semesters and the admission will be done on the basis of marks obtained in Class XII and experience in the relevant field in the ratio of 80: 20. The experience in the relevant field should be a minimum of six months and maximum two years.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	05.07.2020	02	04-06

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर नशे से दूर रहने का लें संकल्प

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के वासी प्रोफेसर केपी सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी

विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की

पुण्यतिथि पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामीजी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ

था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। स्वामीजी को एक संत, महान वक्ता, एक

विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामीजी ने

भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा

बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को

प्रेरित कर रही हैं। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।



स्वामी विवेकानंद कहते थे-जिंदगी में ज्यादा रिश्ते नहीं, रिश्तों में जिंदगी होना है जरूरी

प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामने कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। हमें स्वामीजी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। स्वामीजी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामीजी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	05.07.2020	02	02

एचएयू में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' पर वेबिनार कल

सिटी रिपोर्टर • एचएयू में कुलपति के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़, थापर विश्वविद्यालय पटियाला से डॉ. ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	05.07.2020	12	07-08

हकृति में वेबिनार कल से

हरिभूमि द्व्यूज ||| हिसार

हकृति में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम

**■ अनुप्रयुक्त
विज्ञान के
लिए
कम्युटेशनल
तकनीक
विषय होगा**

हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-

प्रदान के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्युटेशनल तकनीक विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेड्डी, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ. ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	05.07.2020	11	07-08

कपास की फसल में 2, 4-डी का प्रयोग घातक

- हृषि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दी किसानों को हिदायत

हरिभूमि न्यूज़ || हिसार

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार हृषि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है। जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं।

इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कॉपलों को 15 सै.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली

बिजाई देई से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाए। फालतू पौधों को जिकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फालता सामान्य किसी के लिए 30 जबकि संकर किसी के लिए 60 सेटीमीटर रह जाए।

हरा तेला की इस प्रकार करें दोकथान

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की दोकथान के लिए एक से दो छिड़काव 40 मि.ली. कोनफीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। पहला छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पते किनारों से पीले होकर मुड़ने लगें। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है।

गोडाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	05.07.2020	12	01

स्वामी विवेकानन्द के बताए दास्ते पट चलें : वीसी
हिसार। हक़्क़ियत कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी विवेकानन्द को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। उनके द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। वे स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। प्रो. केपी सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। वे खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	05.07.2020	04	01-02

स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रोफेसर सिंह

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर किया युवाओं से आह्वान

हिसार, 4 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।



उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	05.07.2020	04	01-02

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : कुलपति

हिसार, 4 जुलाई (ब्यूरो): कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं।

इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	06.07.2020	04	01-02



कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

कपास की फसल में खरपतवार नाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी भरतनी चाहिए। खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिंडे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रियर से 2, 4 - डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4 - डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4 - डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कोपलों को 15 सेंटीमीटर काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40 - 45 दिन बाद सिंचाई करें।

कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं और फालतू पौधों को निकाल दें। कोणदार धब्बों से बचाव के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में 6 - 8 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (600 - 800 ग्राम प्रति एकड़) को 150 - 200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बौकी आने (जुलाई-अंत) के समय और आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सूखी गुड़ाई के बाद स्टोम्प 30 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में घोल से उपचार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उचित नियन्त्रण हो जाता है।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

डॉ. एसके सहरावत
हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय, हिसार
में अनुसंधान निदेशक
के पद पर कार्यरत हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	05.07.2020	04	06

फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग समझने को वेबिनार 6-7 जुलाई को

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्यूटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.07.2020	--	--

स्वामी विवेकानन्द के बताए रास्ते पर चले युवा : के.पी. सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासारिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामने कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का

**स्वामी विवेकानन्द की
पुण्य तिथि पर किया
युवाओं से आह्वान**



अनुसरण करना चाहिए। स्वामी जी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.07.2020	--	--

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर के.पी. सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा भारी कटाव आ जाता है, जिसे बंद पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिप्पडे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्पेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े भारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कॉपलों को 15 सेंटीमीटर काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोडाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई



कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सपाह करें सिंचाई

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहवान ने किसानों को सलाह देते हुए कह कि यदि कपास की बिजाई किंवी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सपाह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कठार में पौधे से पौधे का फालाला सामान्य किस्मों के लिए 30 सेंटीमीटर जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रट जाए। कृषि वैज्ञानिक ये कपास फसल पर एसर्च कर दें। मनगोलन रिंग ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव के लिए जुलाई के पहले सपाह में 6-8 ग्राम ऐटोसाइविलन व कॉर्प ऑवर्सीक्लोराइड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगाना 4 छिड़काव करें। जड गलन बीमारी से बचाव के लिए किसान 2 ग्राम कार्बैडाजिन प्रति लीटर पानी का धोल बनाकर 500 मिलीलीटर प्रति खल्क पौधे की जड में डालें व सुखी हुए पौधों को छोट से ऊप्राइ कर जला दें। बढ़मा में नाइट्रोजन 35 कि.ग्रा., फार्मेस 12 कि.ग्रा., टेस्टी कपास में नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. व संकर कपास में नाइट्रोजन 70 कि.ग्रा., फार्मेस 24 कि.ग्रा. व पौटांश 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की सिफारिश है। सामान्य किस्मों में नाइट्रोजन की खाद आधी बैंडी आने (जुलाई-अंत) के समय तथा आधी फूल आने के समय डालें। संकर किस्मों में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सुखी गुडाई के बाद स्टोप 30 ई.सी. की 125 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में धोल से उपचार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उत्थित नियन्त्रण हो जाता है।

हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर एसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र साहवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिकाव 40 मिलीमीटर कोल्वीओर या 40 ग्रा. एक्सार या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिकाव करें। पहला छिकाव तब करें जब 20 प्रतिशत पौधे विकसित पते किनारों से पीले लेकर मुड़ने लगें। सफेद मरसी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सूणी, पता लपेट सूणी, कुब्बड़ कीड़े या विरोधी सूणी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मरम् अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. किनल्फोस (एकालय) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसेड (ट्रेसर) 75 एस सी 1 लीटर नीम (अधूक/निर्वासीडीन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास जो खरपतवारों, विशेषकर कालोस घास, कंठी भूंी, जंगली भाट आदि को काट कर जला दें। के बाद समायोज्य कलटीवेटर से निराई-गोडाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.07.2020	--	--

हकूमि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और साखिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक'

विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेड्हू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेरी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति	04.07.2020	--	--

'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' वेबिनार 6 को



नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज उपन प्रथम परिस्थितियों को ध्यान में यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि रखते हुए गणित और सार्विकी के क्षेत्र और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के पी. में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए कोमल मलिक वेबिनार में संवर्धित सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल विषयों पर अपने विचार रखेंगे। दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल 7 जुलाई को किया जाएगा। तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व के मौलिक विज्ञान और मानविकी महर्यं दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से फिजिकल घटनाओं की गणितीय महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजबीर डॉ. पूनम रेहू थापर विश्वविद्यालय, मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते पटियाला से डॉ. इशा धीमान, अमेठी बांते समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति	04.07.2020	--	--

कपास के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : वीसी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज़

हिसार। कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बतानी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए अच्छ किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रयोग से कपास की पीढ़ियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पीढ़ियों से कूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस संघरण से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बोझारी व कोइंड़ मारने वाली दवाओं के छिड़ टेब के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कौटनाशकों और

फक्कूदनाशकों के साथ न होने चाहे। उन्होंने कहा कि फक्कूदनाशकों के छिड़ टेब के लिए घोल संकर किसी के लिए 60 मैट्रीमीटर रह जाए। कृषि बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख वैश्वानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे ढूँ, लैं। 2, 4-डी से प्रभावित पीढ़ियों की समस्या हो जाने मनमोहन सिंह ने बताया कि कोंडारा पीढ़ियों से बचाव पर प्रभावित कौपतें को 15 सै.मी. काट दें और हेतु जुलाई के पहले साताह में 6-8 ग्राम इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत रसौटोसाइक्लिन व कॉपर ऑस्मीन्टोगाईड (600-जिंक सल्फेट के घोल का छिड़ टेब करें। खरपतवार नियन्त्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसाई से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्पनावेतर से निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विवि के अनुसधन निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने किसानों को सप्ताह देरी हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फलतु पीढ़ियों को निकाल दें जिससे कि एक कठार में पीढ़ियों से पीढ़ियों का

हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे ढूँ, ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़ टेब 40 मि.ली. कोन्कारेर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 इ.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंत पर लगभग 4 संकर किंवदं तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पते किनारों से पीले होकर मुड़े लगें। सफेद मक्की का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सूण्डी, पत्ता लपेट सूण्डी, कुम्बड़ कीड़े या चिंचीदार मूण्डी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अपस्त तक हो तो 600 मि.ली. किन्नलफॉस (एकालक्स) 25 इ.सी. या 45 मि.ली. स्पाइनोसैड (ट्रैपर) 75 ऐस सी या 1 लीटर नीम (अचुक/नियोसीडीन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास डो खरपतवारों, विशेषक कारोस घास, कंधी बूटी, जंगली भर्ट आदि को काट कर जला दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.07.2020	--	--

स्वामी विवेकानन्द के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रो. के.पी. सिंह स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि पर किया युवाओं से आह्वान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी जी ने भारत के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए और लोगों को जीने की कला सिखाई। स्वामी जी द्वारा बताई गई बातें आज भी प्रासांगिक हैं और दुनिया भर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं। स्वामी जी स्वयं कहते थे कि जब तक आपको अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था और उनका देहांत 4 जुलाई 1902 को हुआ था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि स्वामी जी के अनुसार जब तक आपके सामने कोई समस्या नहीं आएगी तो समझ सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। स्वामी जी खुद कहते थे कि जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, लेकिन जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं पर भरोसा करके काम करना चाहिए ताकि भगवान भी आपकी किस्मत आपकी मेहनत अनुसार लिखे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी कहते थे कि इंसान को जब भगवान पर भरोसा है तो वही मिलेगा जो तकदीर में है और खुद पर भरोसा होता है तो भगवान वही लिखते हैं जो आप चाहते हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसे कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज की भलाई में अपना योगदान दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	04.07.2020	--	--

हक्कि कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज़

हिसार। कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्थियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्थेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दबाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2, 4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कॉपलों को 15 सै.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोड़ाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से

निराई-गोड़ाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

कपास की बिजाई देरी से की हो तो इसी सप्ताह करें सिंचाई

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फलतृ पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किसी के लिए 30 सै.मी. जबकि संकर किसी के लिए 60 सेटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव हेतु जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रिटोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराईड (600-800 ग्राम प्रति एकड़) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगाएं। यह छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पर्यायों से पीले होकर मुझे लाएं। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सृष्टि, पत्ता लपेट सूड़ी, कुब्बड़ी कीड़ी या चित्तीदार सूड़ी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. क्रिनल्फास (एकालक्स) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसैड (ट्रैसर) 75 एस.सी.या 1 लीटर नीम (अचूक/निवीसीडेन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास ऊंचे खरपतवारों, विशेषकर काग्रेस घास, कंधी बूटी, जंगली भरुट आदि को काट कर जला दें।

नाइट्रोजन 70 कि.ग्रा., फास्फोरस 24 कि.ग्रा. व पोटाश 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की सिफारिश है। सामान्य किसी में नाइट्रोजन की खाद आधी बौकी आने (जुलाई-अंत) के समय तथा आधी फूल आने के समय डालें। संकर किसी में इन दोनों समय पर नाइट्रोजन 1/3 की दर से डालनी चाहिए। कपास में बिजाई के 40-45 दिनों के बाद सूखी गुड़ाई के बाद स्टोम्प 30 ई.सी. की 1.25 लीटर मात्रा प्रति एकड़ को 200-250 लीटर पानी में घोल से उच्चार के बाद सिंचाई करने से भी वार्षिक खरपतवारों का उचित नियन्त्रण हो जाता है।

हरा तेला की ऐसे करें रोकथाम

कपास फसल को लेकर रिसर्च कर रहे डॉ. ओमेंद्र सांगान ने बताया कि हरा तेला की रोकथाम के लिए एक से दो छिड़काव 40 मि.ली. कोम्फीडोर या 40 ग्रा. एकतारा या 250-350 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 120 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। पहला छिड़काव तब करें जब 20 प्रतिशत पूरे विकसित पर्यायों से पीले होकर मुझे लाएं। सफेद मक्खी का भी यही इलाज है। यदि बालों वाली सृष्टि, पत्ता लपेट सूड़ी, कुब्बड़ी कीड़ी या चित्तीदार सूड़ी का भी आक्रमण जुलाई अंत से मध्य अगस्त तक हो तो 600 मि.ली. क्रिनल्फास (एकालक्स) 25 ई.सी. या 45 मि.ली. स्पाईनोसैड (ट्रैसर) 75 एस.सी.या 1 लीटर नीम (अचूक/निवीसीडेन) का प्रयोग करें। मीली-बग से बचाव के लिए खेतों के आसपास ऊंचे खरपतवारों, विशेषकर काग्रेस घास, कंधी बूटी, जंगली भरुट आदि को काट कर जला दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.07.2020	--	--

हकृवि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	04.07.2020	--	--

खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर केपी सिंह

हिसार/04 जुलाई/रिपोर्ट

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2, 4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ ही 2,

4-डी का संपर्क कपास की फसल में प्रयोग में लाए जाने वाले कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के साथ न होने पाए। उन्होंने कहा कि कीट या फफूंदनाशकों के छिड़काव के लिए घोल बनाने से पूर्व बोतल या टीन का लेबल ध्यान से देख लें। 2, 4-डी से प्रभावित पौधों की समस्या हो जाने पर प्रभावित कॉंपलों को 15 सें.मी. काट दें और इसके बाद 2.5 प्रतिशत यूरिया तथा 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल का छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण के लिए पहली गोडाई पहली सिंचाई से पहले कसौला से करें। बाद में हर सिंचाई के बाद समायोज्य कल्टीवेटर से निराई-गोडाई करें। पहली सिंचाई जितनी देर से की जाए अच्छी है। आमतौर पर बिजाई के 40-45 दिन बाद सिंचाई करें।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि यदि कपास की बिजाई किसी कारण देर से की हो तो जुलाई के पहले सप्ताह में फसल को पानी लगाएं तथा फालतू पौधों को निकाल दें जिससे कि एक कतार में पौधे से पौधे का फासला सामान्य किस्मों के लिए 30 सें.मी. जबकि संकर किस्मों के लिए 60 सेंटीमीटर रह जाए। कृषि वैज्ञानिक व कपास फसल पर रिसर्च कर रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि कोणदार धब्बों से बचाव हेतु जुलाई के पहले सप्ताह में 6-8 ग्राम स्ट्रैटोसाइक्लिन व कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (600-800 ग्राम प्रति एकड़ी) को 150-200 लीटर पानी में मिलाकर 15-20 दिन के अंतर पर लगभग 4 छिड़काव करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	04.07.2020	--	--

‘अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक’ पर वैबिनार छह से

हिसार/04 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वैबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए ‘अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक’ विषय पर ऑनलाइन वैबिनार आयोजित किया जाएगा। वैबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम

रेढू, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ. ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वैबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज, हिसार	04.07.2020	--	--

अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

पल पल न्यूज: हिसार, 4 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया जाएगा। वेबिनार में चार वैज्ञानिक जिनमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान, अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक वेबिनार में संबंधित विषयों पर अपने विचार रखेंगे। वेबिनार का उद्देश्य कम्प्युटेशनल तकनीकों जैसे कि न्यूमेरिकल एनालिसिस, भौतिक विज्ञान व फिजिकल घटनाओं की गणितीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण की मूल बातें समझना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज, हिसार	04.07.2020	--	--

कृषि विश्वविद्यालय शुरू करेगा एक वर्षीय डिप्लोमा

पल पल न्यूजः हिसार, 4 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली बार कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा शुरू किया जाएगा जो युवाओं को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहली बार शुरू होने वाले इस एक वर्षीय डिप्लोमा में कुल 30 सीट निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटों का निर्धारण किया गया है। उन्होंने

बताया कि आवेदन के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है और 18 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के इच्छुक उम्मीदवार इसमें आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में दाखिला कृषि महाविद्यालय हिसार, कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय बावल (रेवाड़ी) के लिए अलग-अलग होंगे व उनकी कक्षाएं भी अलग-अलग लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दो सेमेस्टर वाले इस डिप्लोमा में दाखिला 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित क्षेत्र में अनुभव के 80:20 के अनुपात में किया जाएगा। इसके लिए कम से कम छह महीने और अधिकतम दो वर्ष का अनुभव ही मान्य होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज, हिसार	04.07.2020	--	--

कृषि विश्वविद्यालय शुरू करेगा एक वर्षीय डिप्लोमा

पल पल न्यूजः हिसार, 4 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली बार कृषि रसायन एवं उर्वरक में एक वर्षीय डिप्लोमा शुरू किया जाएगा जो युवाओं को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहली बार शुरू होने वाले इस एक वर्षीय डिप्लोमा में कुल 30 सीट निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत सीटों का निर्धारण किया गया है। उन्होंने

बताया कि आवेदन के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है और 18 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के इच्छुक उम्मीदवार इसमें आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में दाखिला कृषि महाविद्यालय हिसार, कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय बावल (रेवाड़ी) के लिए अलग-अलग होंगे व उनकी कक्षाएं भी अलग-अलग लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दो सेमेस्टर वाले इस डिप्लोमा में दाखिला 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित क्षेत्र में अनुभव के 80:20 के अनुपात में किया जाएगा। इसके लिए कम से कम छह महीने और अधिकतम दो वर्ष का अनुभव ही मान्य होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	04.07.2020	---	---

H.A.U में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार 6 जुलाई से

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार : 4 जुलाई 2020

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन 6 और 7 जुलाई को किया जाएगा।



यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि कोविड-19 के चलते उत्पन्न विषम परिस्थितियों को



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	04.07.2020	---	---

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4-डी का प्रयोग घातक : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी किसानों को हिदायत

हिसार : 4 जुलाई 2020

कपास की फसल के लिए खरपतवारनाशी 2, 4 डी का प्रयोग घातक है। इसलिए इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को हिदायत देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खरपतवारनाशी 2,4-डी के प्रभाव से कपास की पत्तियों में हथेली जैसा बारीक कटाव आ जाता है, जिसे बंदर पंजा भी कहते हैं। इसमें पौधे से फूल गिर जाते हैं और टिण्डे नहीं बनते। इसलिए किसान ध्यान रखें कि जिस स्प्रेयर से 2, 4-डी प्रयोग में लाया गया हो, उसे बीमारी व कीड़े मारने वाली दवाओं के छिड़काव के लिए प्रयोग में न लाएं। साथ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	04.07.2020	---	---

स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते पर चलें युवा : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 4, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार : 4 जुलाई 2020

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलें। उन्होंने उक्त विचार स्वामी विवेकानंद की पुण्य तिथि के अवसर पर युवाओं से अपील करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारतीय अध्यात्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। स्वामी जी को एक संत, महान वक्ता, एक विचारक और देशभक्त के रूप में भी जाना जाता है।